

श्रीरामप्रातःस्मरणम् श्रीरामपञ्चकम्

Rama Pratah Smarana

sanskritdocuments.org

February 19, 2018

---

## Rama Pratah Smarana

---

श्रीरामप्रातःस्मरणम् श्रीरामपञ्चकम्

---

### Sanskrit Document Information

---



---

Text title : Shri Rama Pratah-smarana

File name : ramapratahsmarana.itx

Category : suprabhAra, raama, panchaka

Location : doc\_raama

Author : Traditional

Transliterated by : Sunder Hattangadi (sunderh at hotmail.com)

Proofread by : Sunder Hattangadi (sunderh at hotmail.com)

Description-comments : Ramakarnamritam verses 68-73 in chaturtha AshvAsaH

Latest update : Apr. 27, 2010

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

February 19, 2018

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Rama Pratah Smarana

---

### श्रीरामप्रातःस्मरणम् श्रीरामपञ्चकम्

---



प्रातः स्मरामि रघुनाथमुपारविन्दं  
मन्दस्मितं मधुरभाषि विशालबालम् ।  
कर्णवल्गुम्बियलकुण्डलशोभिगाण्डं  
कर्णान्तदीर्घनयनं नयनाभिरामम् ॥ १ ॥

प्रातर्भजामि रघुनाथकरारविन्दं  
रक्षोगाणाय भयदं वरदं निजेभ्यः ।  
यद्राजसंसदि विभज्य मलेशयापं  
सीताकरत्रणमङ्गलमाप सद्यः ॥ २ ॥

प्रातर्नमामि रघुनाथपदारविन्दं  
वज्राङ्कुशादिशुभरेषु सुभावलं मे ।  
योगीन्द्रमानसमधुप्रतसेव्यमानं  
शापापलं सपदि गौतमधर्मपत्न्याः ॥ ३ ॥

प्रातर्वदामि वयसा रघुनाथ नाम  
वाग्दोषहारि सकलं शमलं निहन्ति ।  
यत्पार्वती स्वपतिना सह भोक्तुकामा  
प्रीत्या सहस्रहरिनामसमं जजाप ॥ ४ ॥

प्रातः श्रये श्रुतिनुतां रघुनाथमूर्तिं  
नीलाम्बुजोत्पलसितेतरत्ननीलाम् ।  
आमुक्तमौक्तिकविशेषविभूषणाढ्यां  
ध्येयां समस्तमुनिभिर्जनमुक्तिहेतुम् ॥ ५ ॥

यः श्लोकपञ्चकमिदं प्रयतः पठेद्धि  
नित्यं प्रभातसमये पुरुषः प्रबुद्धः ।  
श्रीरामकिङ्करजनेषु स अथ मुष्यो  
भूत्वा प्रयाति हरिलोकमनन्यलभ्यम् ॥

॥ इति श्रीरामकर्मभूता-न्तर्गतम् श्रीरामप्रातःस्मरणम् ॥

Ramakarnamritam verses 68-73 in chaturtha AshvAsaH

This is also mistakenly attributed to Shrimad Vadiraja as Shriramapanchakam

Encoded and proofread by Sunder Hattangadi sunderh@hotmail.com

---

*Rama Pratah Smarana*

pdf was typeset on February 19, 2018

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

